भौतिक आवश्यकता ही जीवन का उद्देश्य नहीं

हमीदिया महाविद्यालय

● लेक सिटी रिपोर्टर ●

हमीदिया कॉलेज में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार महात्मा गांधी के मितव्ययिता से संबंधित विचारों की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पीके जैन ने की। उन्होंने कहा कि भौतिक आवश्यकता ही जीवन का उद्देश्य नहीं है। महात्मा गांधी भौतिकता के साथ-साथ आध्यात्मिकता के अस्तित्व को भी स्वीकार करते थे। सादा जीवन उच्च विचार आज के समय की आवश्यकता है। प्रतियोगिता में निर्णायक डॉ. धर्मेन्द्र पारे ने कहा कि गांधी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। गांधी आचरण की सभ्यता के व्यक्तित्व के धनी हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि गांधी ने मप्र के जिन स्थानों की यात्रा की है उन स्थानों पर भ्रमण अवश्य करना चाहिए।

होलिका दहन में हो गौ काष्ठ का उपयोग

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में हमीदिया कॉलेज में होलिका दहन को लेकर आयोजित परिचर्चा में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. योगेंद्र कुमार सक्सेना ने पर्यावरण एवं पेड़ों का महत्व बताते हुए कहा कि होली के पर्व के अवसर पर होलिका दहन में लकड़ियों की जगह गोबर से बने हुई गौ-काष्ठ का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी परंपरा अनुसार भारतीय संस्कृति में हर घरों में गोबर से बने हुए कंडो से ही होलिका दहन किया जाता है। इस अवसर पर आईआईटी दिल्ली से हर्षवर्धन, यश गौ-काष्ठ समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण चौधरी सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया।

बापू आध्यात्मिकता के साथ ही भौतिकता को भी स्वीकारते थे

हमीदिया कॉलेज में संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

शासकीय हमीदिया महाविद्यालय में बुधवार को महात्मा गांधी के मितव्ययिता से संबंधित विचारों की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी और स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पीके जैन ने की। उन्होंने कहा- महात्मा गांधी भौतिकता के साथ-साथ आध्यात्मिकता के अस्तित्व को भी स्वीकार करते थे। सादा जीवन उच्च विचार आज के समय की आवश्यकता है। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. धर्मेंद्र पारे ने कहा- गांधी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश के जिन स्थानों की यात्रा की है, हमें उन स्थानों का भ्रमण अवश्य करना चाहिए। वहीं संयोजक डॉ. शरद तिवारी

ने कहा- बाहरी आवरण हमारी पहचान नहीं है।

वहीं एनएसएस एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में हमीदिया महाविद्यालय में होलिका दहन को लेकर आयोजित परिचर्चा में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. योगेंद्र कुमार सक्सेना, आईआईटी दिल्ली से हर्षवर्धन, यश गौ-काष्ठ समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण चौधरी सहित अन्य वक्ताओं ने विचार रखे।

'जरूरत पूर्ति के बाद बची राशि पर समाज का अधिकार होता है'

सागर@ पत्रिका. आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज में गांधी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ के राज्य समंवयक डॉ. ब्रह्मदीप अलुने ने कहा कि भारतीय मुद्रा पर गांधी का चित्र इसलिए लगाया है ताकि उनके ट्रस्टीशिप सिद्धांत लोगों को याद रहें।

यह सिद्धांत हमें इस बात की याद दिलाता है कि आपकी जरूरत पूर्ति के बाद जो राशि आपके पास बचती है। उस पर समाज का अधिकार होता है और अगर यह राशि समाज के हितार्थ व्यय हो तो गांधी विचार भी उसके साथ जिंदा रहेंगे। गांधी जी पहनावे से एक साधारण व्यक्ति थे।उनके विचारों व आंदोलनों ने उन्हें समाज के लिए असाधारण व्यक्तित्व का स्वामी बना दिया था। अतिरिक्त संचालक डॉ. जीएस रोहित ने कहा कि गांधी जी के विचार तत्कालीन समय में जितने महत्वपूर्ण थे। उससे अधिक प्रासांगिक आज हो गए हैं। विचारों को समाप्त नहीं किया जा सकता बल्कि वो पीड़ी दर पीड़ी हस्तांतरित होते रहते हैं। संभागीय समन्वयक डॉ. पदमा आचार्य ने गांधी जी के व्यक्तिव पर प्रकाश डाला। जिला समन्वयक डॉ. अमर कुमार जैन ने कहा कि गांधी जी क्या थे यह प्रश्न महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि गांधी जी क्या नहीं थे। अच्छे विचारक, अच्छे समाज सुधारक, कुशल नेतृत्वकर्ता, व्यवाहारिक रूप से अहिंसा के परिपालक तथा सत्य को लेकर आत्मकथा लिखने वाले गांधी जी ने सभी प्रश्नों के उत्तर अपने व्यक्तित्व से दिये।

पत्रिका Thu, 13 February 2020
epaper.patrika.com/c/48956717

ADIDAS

शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल म.प्र.
व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ
गांधी संवाद कार्यक्रम

व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ
गांधी संवाद कार्यक्रम

शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल म.प्र.
व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ
गांधी संवाद कार्यक्रम

गांधी संवाद कार्यक्रम

शासकीय हमीदिया कला
गांधी संवाद कार्यक्रम

शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

गांधी संवाद कार्यक्रम